बीईसीसी-108

कला स्नातक (अर्थशास्त्र ऑनर्स)
(बी.ए.ई.सी.एच.)

सत्रीय कार्य-2026-2027

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–108
मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-II

अर्थशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068
बी.ई.सी.सी.–108 : मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-II
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बी.ई.सी.सी.–108 मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-II** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत वेटेज है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्यम श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। ये प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द-सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन; कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें।

आपको सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास निम्नलिखित समय-सीमा के भीतर जमा करना होगा–

(i) 30 मार्च, 2027 तक उन सभी विद्यार्थियों को जिनका प्रवेश जुलाई 2026 शैक्षणिक सत्र में हुआ है।

(ii) 30 सितंबर, 2027 तक उन सभी विद्यार्थियों को जिनका प्रवेश जनवरी 2027 शैक्षणिक सत्र में हुआ है।

जमा कराये गये सत्रीय कार्य की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक

प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हैं।

3) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

बी.ई.सी.सी.–108 : मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-II

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.सी.सी.-108
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टी.एम.ए./2026-2027
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य 1

निम्नलिखित वर्णनात्मक वर्ग के प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। 2x 20=40

1) (क) आंशिक संतुलन (Partial Equilibrium) एवं सामान्य संतुलन (General Equilibrium) विश्लेषण में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ख) उत्पाद एवं कारक बाजारों में पूर्ण प्रतियोगिता (Perfect Competition) वाली अर्थव्यवस्था में उत्पाद–मिश्रण (Product Mix) के सामान्य संतुलन को परिभाषित कीजिए। ऐसे संतुलन के अस्तित्व हेतु आवश्यक सभी शर्तों को स्पष्ट रूप से बताइए।

2) एक मनोरंजन पार्क का स्वामी द्वि–भागीय शुल्क अपनाता है। वह प्रवेश टिकट के लिए एक शुल्क तथा प्रत्येक झुले के लिए अलग शुल्क लेता है। मान लीजिए :

$AC = MC = 6$

दो अलग–अलग बाजारों की मांग वक्रें निम्नलिखित हैं :

$Q_1=60–P_1$

$Q_2 = 60 - 2P_2$

(i) फर्म द्वि–भागीय शुल्क नीति अपनाती है। एकमुश्त (Fixed One-Time Fee) शुल्क कितना होगा :

(क) ओई (Oi's) समाधान के अनुसार।

(ख) लाभ–अधिकतम इकाई मूल्य (Profit Maximising Unit Price) विधि के आधार पर वैकल्पिक तरीके से।

(ii) उपरोक्त दोनों स्थितियों में एकाधिकारी (Monopolist) के लाभ (Profit) की गणना कीजिए।

सत्रीय कार्य–2

निम्नलिखित मध्यम श्रेणी के प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का हैं। 3×10=30

3) प्राकृतिक एकाधिकार (Natural Monopoly) वाली बाजार संरचना के अस्तित्व की शर्तों की व्याख्या कीजिए तथा ऐसी संरचना में संभव विभिन्न मूल्य निर्धारण विकल्पों की पहचान कीजिए।

4) मान लीजिए दो फर्मों 1 और 2 का कूर्नो द्वयाधिकार है, जो क्रमश : Q_1 और Q_2 मात्रा का उत्पादन करती है।

बाजार मांग वक्र है : $P = 60 - Q$

जहाँ, $Q = Q_1 + Q_2$

मान लीजिए दोनों फर्मों की उत्पादन की सीमांत लागत शून्य है।

दोनों फर्मों के कूर्नो–नैश संतुलन उत्पादन की गणना कीजिए।

5) बाह्यताओं के कारण बाजार विफलता कैसे उत्पन्न होती है? नकारात्मक बाह्यता के कारण उत्पन्न बाजार विफलता को सुधारने के विभिन्न उपायों की व्याख्या कीजिए।

सत्रीय कार्य–3

निम्नलिखित लघु श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। **5×6=30**

6) बर्गसन–सैमुएलसन सामाजिक कल्याण फलन की व्याख्या कीजिए।

7) प्रधान–अभिकर्ता समस्या (Principal-Agent Problem) से क्या अभिप्राय है? यह समस्या किन कारणों से उत्पन्न होती है?

8) निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए :

(क) असहकारी (Non-Cooperative) एवं सहकारी (Cooperative) खेल

(ख) समकालिक चाल (Simultaneous-Move) एवं अनुक्रमिक चाल (Sequential-Move) वाले खेल

9) एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में होने वाली कल्याण हानि तथा एकाधिकार में होने वाली कल्याण हानि में अंतर स्पष्ट कीजिए।

10) सिद्ध कीजिए कि कल्याण–अधिकतमीकरण के अंतर्गत संसाधनों का आवंटन पैरेटो–कुशल आवंटन भी होता है।